Class VI

टिकट अलबम

भाषा की बात

शब्द	अर्थ
खोंसना	* किसी चीज़ को अंदर की ओर ले जाकर दबा कर रखना।
जमघट	* भीड़
टटोलना	* ढूँढना
कुढ़ना	* जलन, ईर्ष्या करना
ठहाका	* ज़ोर से हँसना
अगुआ	* आगे चलने वाला, मुखिया
पुचकारना	* प्यार से सहलाना
हेकड़ी	* डींग मारना
तारीफ़	* प्रशंसा
खलना	* बुरा लगना

वाक्य - प्रयोग

1) सीमा ने अपनी कमीज़ को अच्छी तरह से स्कर्ट में खोंसकर तैयार हो गई।

2) स्टेशन के सामने जमघट लगी हुई है।

3) मैंने अपनी जेब को टटोला पर खुश नहीं मिले।

4) मुझे किसी की तरक्की से कुढ़ने वाले व्यक्ति से नफ़रत है।

5) बच्चे ठहाके लगा लगा कर उसे बूढ़े व्यक्ति को परेशान कर रहे हैं।

6) अगुआ बनकर रमेश मंत्रीजी से बात करने गया।

7) अपने दोस्त को दुखी देखकर मनोज उसे पुचकारने लगा।

8) श्यामा को ट्ठर जगह हेकड़ी होती है इसलिए उसके मित्र उसे पसंद नहीं करते।

9) अपनी तारीफ़ सुनकर लता के चेहरा गर्व से भर गया।

10) दुर्व्यवहार लोगों को खलता है।

(2)

नकारात्मक विशेषण	विपरीतार्थक विशेषण
च्चिंतित	निश्चिंत
फिसड्डी	बढ़िया
घमंडी	सहृदय
ईर्ष्यालु	उदार
बंद	खुला

5. अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सब के सब नागराजन को क्यों घेरे रहते थे?

उत्तर—नागराजन के मामा जी ने नागराजन को सिंगापुर से अलबम भिजवाया था। नागराजन वह अलबम लड़कों को दिखाया करता था। अतएव लड़के नागराजन का अलबम देखने के लिए उसे घेरे रहते थे।

प्रश्न 2. राजप्पा ने अपना अलबम तैयार करने के लिए क्या-क्या किया था?

उत्तर—राजप्पा ने अपना अलबम तैयार करने के लिए बहुत दौड़-धूप की थी। वह टिकट जमा करने के लिए सुबह आठ बजे ही अपने घर से निकल पड़ता था। वह उन लड़कों के पास जाता जो टिकट जमा किया करते थे। वह उनसे टिकटें लेता और उन टिकटों के बदले उन्हें कुछ टिकटें दे देता। शाम को जब वह घर आता तो बस्ता रखकर फिर टिकट जमा करने के लिए निकल पड़ता। इस प्रकार राजप्पा ने बहुत मेहनत करके अपना अलबम तैयार किया था। इससे उसका अलबम स्कूल भर में सबसे बड़ा हो गया था।

प्रश्न 3. अपू ने दोबारा आकर राजप्पा से क्या कहा? उसका राजप्पा पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर—अपू ने दोबारा आकर राजप्पा से पूछा कि क्या वह कल नागराजन के घर गया था? यह सुन राजप्पा घबरा गया। फिर भी उसने सिर हिला दिया। अपू ने राजप्पा से कहा कि कामाक्षी तो यह कहती है कि तुम कल उनके घर आए थे। इससे राजप्पा समझ गया कि अब उस पर शक किया जाने लगा है। अपू ने उसे यह बताया कि नागराजन के पापा डी.एस.पी. के दफ़्तर में काम करते हैं। उनके इशारा करते ही पुलिस आ जाएगी तो वह और भी घबरा गया।

अपू के जाने के बाद राजप्पा उसी तरह बैठा रहा। तभी बाहर की साँकल खटकी तो राजप्पा बुदबुदाया—पुलिस। स्पष्ट है कि अपू ने राजप्पा से जो कुछ कहा, उससे वह बहुत डर गया था।

प्रश्न 4. राजप्पा ने जब नागराजन को अपना अलबम देते हुए यह कहा—*'अब इसे तुम रख लो।'* तो नागराजन ने यह क्यों कहा—*"बहला रहे हो यार।"*

उत्तर—राजप्पा को अपना अलबम बहुत प्रिय था। उसने उसे बड़ी मेहनत से तैयार किया था। वह किसी भी कीमत पर उसे देने के लिए तैयार नहीं था, सरपंच के लड़के ने राजप्पा का अलबम खरीदना चाहा था। वह उसे इसके पच्चीस रुपए देने को तैयार था। पर राजप्पा ने उसे तीखा उत्तर देते हुए कहा था—तुम अपने घर वाली प्यारी बच्ची को तीस रुपए में मुझे दोगे?

स्पष्ट है कि राजप्पा किसी भी कीमत पर अपना अलबम देने के लिए तैयार नहीं था। पर अब वह नागराजन को अपना अलबम देने के लिए तैयार हो गया था। नागराजन को राजप्पा की इस बात पर इसलिए यकीन नहीं हो रहा था क्योंकि वह सोच रहा था कि नागराजन मेरे साथ मजाक कर रहा है। इसीलिए उसने यह कहा है।

प्रश्न 5. पाठ 'टिकट-अलबम' से क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर—पाठ 'टिकट-अलबम' से यह शिक्षा मिलती है कि कभी भी दूसरों की वस्तु देखकर ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए।